

प्रेषक,

सुभाष कुमार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
नैनीताल।

राजस्व अनुभाग-2

देहरादून दिनांक: 29 मई, 2009

विषय:- मै० एन०एम०सी० ओवरसीज प्रा०लि० (विमहंस) जरिये चीफ एजुकेटिव आफिसर श्री आद्वितीय गौड पुत्र श्री विष्णु दत्त शर्मा निवासी-ए-261, सेक्टर-31, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर को ग्राम धमौला, तहसील कालादुंगी, जिला नैनीताल में अल्ट्रामार्डन फार्मास्यूटिकल एण्ड हर्बल फार्मिंग यूनिट की स्थापना हेतु 7.50 एकड़ भूमि क्रय की अनुमति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने कार्यालय के पत्र संख्या-302/12-ज्येड०ए०सी०/2009 दिनांक-23 अप्रैल, 2009 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- उपरोक्त सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मै० एन०एम०सी० ओवरसीज प्रा०लि० को ग्राम नयागाँव जुल्फकार, तहसील कालादुंगी जनपद नैनीताल में 10 एकड़ भूमि क्रय की अनुमति से सम्बन्धित शासनादेश संख्या-666 भूक्रय/18(1)/2007-1(76)/2008 दिनांक-20 सितम्बर, 2008 को निरस्त करते हुए इसके स्थान पर श्री राज्य पाल महोदय आपके उक्त वर्णित प्रस्ताव/पत्र संख्या-302/12- जेड०ए०सी०/2009 दिनांक-23 अप्रैल, 2009 के परिप्रेक्ष्य में मै० एन०एम०सी० ओवरसीज प्रा०लि० (विमहंस) जरिये चीफ एजुकेटिव आफिसर श्री आद्वितीय गौड पुत्र श्री विष्णुदत्त शर्मा निवासी-ए-261, सेक्टर-31 नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर को ग्राम धमौला तहसील कालादुंगी जनपद नैनीताल के खतौनी खाता संख्या-56 के खसरा संख्या-465/1 रकबा 0.3510 है०, 466 रकबा 0.4360 है०, 467/1 रकबा 0.4140 है०, 468 रकबा 0.4140 है०, 492/2 रकबा 0.1580 है०, 496/1 रकबा 0.2940 है०, 497 रकबा 0.357 है०, 498 रकबा 0.3700 है०, 499 रकबा 0.3920 है०, 501 रकबा 0.4050 है०, 502/1 रकबा 0.0410 है०, 503 रकबा 0.0320 है०, 504 रकबा 0.4140 है०, 505 रकबा 0.0160 है०, 521/2 रकबा 0.3100 है०, 522 रकबा 0.0630 है०, 523 रकबा 0.5280 है०, 524 रकबा 0.4870 है० एवं 500 रकबा 0.0130 है० कुल रकबा 5.4950 है० में से 7.50 एकड़ भूमि अल्ट्रामार्डन फार्मास्यूटिकल्स एण्ड हर्बल फार्मिंग यूनिट की स्थापना हेतु क्रय किये जाने की अनुमति उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2001) (संशोधन) अधिनियम, 2003 दिनांक 15-1-2004 की धारा-154(4)(3)(क)(V) के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रतिबन्धों/शर्तों के साथ प्रदान करते हैं:-

.....2

1- कंता धारा-129-ख के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलेक्टर, जैसी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि कय करने के लिये अर्ह होगा।

2- कंता बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिये अपनी भूमि बन्धक या दृष्टि बन्धित कर सकेगा तथा धारा-129 के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।

3- कंता द्वारा कय की गई भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना भूमि के विक्रय विलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उसके बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन (अल्ट्रामॉडर्न फार्मास्यूटिकल्स एण्ड हर्बल फार्मिंग यूनिट की स्थापना) के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की गई है। यदि वह ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे स्वीकृत किया गया था, उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजनार्थ कय किया गया था उससे भिन्न प्रयोजन के लिये विक्रय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

4- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के न हों और अनुसूचित जाति/जनजाति के भूमिधर होने की स्थिति में भूमि कय से पूर्व सम्बन्धित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।

5- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी असंक्रमणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों।

6- शासन द्वारा दी गई भूमि कय की अनुमति शासनादेश निर्गत होने की तिथि से 180 दिन तक वैध रहेगी।

7- कम्पनी द्वारा उद्योग के लिए प्रस्तावित ग्राम-धमोला, तहसील कालादुंगी जिला नैनीताल में कय की जाने वाली खसरा संख्यायें यदि भारत सरकार के किसी भी श्रेणी के अन्तर्गत अधिसूचित नहीं हों, तो भारत सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग) के कार्यालय झाप संख्या:1(10)/2001एन0ई0आर 7 जनवरी, 2003 के एनेक्चर-2 थ्रस्ट उद्योगों के अन्तर्गत मैडिकल हर्बस प्रोसेसिंग तथा फर्मा प्रोडक्ट्स को रखे जाने के कारण इन उत्पादों पर अधिसूचित औद्योगिक आस्थान/क्षेत्र से बाहर थ्रस्ट उद्योगों की स्थापना पर भारत सरकार द्वारा घोषित विशेष पैकेज का लाभ अनुमन्य होगा।

8- कम्पनी द्वारा इस उद्योग की स्थापना के लिए ग्राम-धमोला, तहसील कालादुंगी जिला नैनीताल स्थित भूमि अभिज्ञापित कर भूमिधरी से कय अनुबन्ध किया गया है। जनपद नैनीताल का कौटाबाग विकास खण्ड पर्वतीय क्षेत्रों के लिए घोषित विशेष एकीकृत औद्योगिक प्रोत्साहन नीति 2008 के प्रस्तर 2 में श्रेणी-बी के अन्तर्गत आदृत है। तथा इस विकास खण्ड में प्रस्तावित उद्योग की स्थापना विशेष एकीकृत औद्योगिक प्रोत्साहन नीति के अन्तर्गत प्रदत्त वित्तीय प्रोत्साहन सुविधाओं का लाभ अनुमन्य होगा।

.....3

- 9- कय की जाने वाली भूमि का भू- उपयोग यदि औद्योगिक से भिन्न हो तो उसे नियमानुसार औद्योगिक में परिवर्तित कराकर प्रचलित नियमों/मानकों एवं भवन उपविधियों के अन्तर्गत नियमानुसार कार्यवाही करते हुये औद्योगिक प्रयोजन हेतु फॅक्ट्री भवन निर्माण का प्लान सक्षम अधिकारी से स्वीकृत कराने के पश्चात ही स्थल पर निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- 10- प्रस्तावित उद्योग का निर्माण कार्य राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (सीडा) -2005 के अनुरूप निर्माण होगा।
- 11- प्रस्तावित उद्योग में उत्तरांचल मूल के बेरोजगारों को न्यूनतम 70 प्रतिशत से अधिक का रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा।
- 12- इकाई द्वारा कय की जाने वाली भूमि का उपयोग अल्ट्रामॉर्डन फार्मास्यूटिकल फार्म्यूलेशन एवं हर्बल फार्मिंग/एस्ट्रैक्शन यूनिट की स्थापना हेतु किया जायेगा।
- 13- प्रश्नगत उद्योग की स्थापना के सम्बन्ध में पूंजी निवेश से पूर्व इग कन्ट्रोलर से इग लाइसेंस तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा। एवं नियमानुसार योजना प्रारम्भ करने से पूर्व सम्बन्धित विभागों/संस्थाओं से विधिक व अन्य औपचारिकतायें/अनापत्तियां प्राप्त कर ली जायेंगी।
- 14- प्रस्तावित स्थल पर अवस्थापना विकास से सम्बन्धित कार्यों का दायित्व सम्बन्धित इकाई का होगा।
- 15- किसी भी दशा में प्रस्तावित कंटाओं को प्रस्तावित भूमि के अतिरिक्त अन्य भूमि के उपयोग की अनुमति नहीं होगी एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि या अन्य कोई भूमि पर कब्जा न हो इसके लिये भूमि कय के तत्काल बाद उसका सीमांकन कर लिया जाय।
- 16- भूमि का विक्रय अपरिहार्य परिस्थितियों के अतिरिक्त अनुमन्य नहीं होगा एवं ऐसी दशा में विक्रय किये जाने हेतु सकारण शासन का अनुमोदन प्राप्त करना होगा।
- 17- उपरोक्त प्रतिबन्धों/शर्तों का पूर्णतः अनुपालन न होने पर तथा भिन्न उपयोग करने, उत्खनन हाने की दशा में अथवा किसी अन्य कारणों से, जिसे शासन उचित समझता हो, प्रश्नगत स्वीकृति निरस्त कर दी जायेगी।

कृपया इस सम्बन्ध में तदनुसार कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(सुभाष कुमार)
प्रमुख सचिव।

पू0प0सं0-1070 /संमदिनांकित/2009

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

.....4

- 1- मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- आयुक्त कुमायूँ मण्डल नैनीताल।
- 3- प्रमुख सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन को इस आशय से प्रेषित कि शासनादेश के उद्योग विभाग से सम्बन्धित समस्त बिन्दुओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।
- 4- सचिव, श्रम एवं सेवायोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
सचिव, ऊर्जा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- निदेशक, उद्योग, इन्डस्ट्रियल इस्टेट, पटेलनगर, देहरादून।
- 6- मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सीडा, 2-न्यूकैन्ट रोड, सिडकुल, देहरादून।
- 7- मै० एन०एम०सी० ओवरसीज प्रा०लि० (विमहंस) जरिये चीफ एजुकेटिव आफिसर श्री आद्वितीय गौड़ पुत्र श्री दिप्पु दत्त शर्मा निवासी-ए-261, सेक्टर-31, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर।
- 8- निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड, सचिवालय।
- 9- प्रभारी मीडिया केन्द्र, सचिवालय।
- 10- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(सन्तोष बाडोनी)

अनु सचिव।